उद्यमिता में सतत विकास संग जल प्रबंधन करना बड़ी चुनौती

कानपुर (एसएनबी)। छत्रपति शाहूजी महाराज विश्वविद्यालय, कानपुर के कुलपति प्रो विनय कुमार पाठक ने कहा कि एसडीजी (सतत विकास लक्ष्य) उद्यमिता और जल पारिस्थितिक प्रबंधन वर्तमान में दो सबसे महत्वपूर्ण चुनौतियां हैं। उन्होंने कहा कि युवा उद्यमी इन चुनौतियों के बारे में जागरूक होकर इनके समाधान विकसित करें।

दीप से कार्यशाला का उद्घाटन करते कुलपति प्रो. विनय पाठक व अन्य। फोटो : एसएनबी

> सीएसजेएमयू में एसडीजी उद्यमिता व जल पारिस्थितिक प्रबंधन कार्यशाला का आयोजन

कार्यशाला का आयोजन वर्ल्ड वाइड फंड (डब्ल्यूडब्ल्यूएफ) फॉर नेचर इंडिया, आर्टिक ग्रुप व सीएसजेएमयू और सीएसजेएमयू इनोवेशन फाउंडेशन ने संयुक्त रूप से किया था। विश्वविद्यालय के यूआईईटी लेक्चर हॉल में आयोजित कार्यशाला का उद्घाटन करने के बाद कुलपति प्रो विनय कुमार पाठक ने एसडीजी उद्यमिता और जल पारिस्थितिक प्रबंधन के महत्व पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि आज के समय में यह दो बड़ी चुनौतियां हैं, जिनका सामना दुनिया कर रही है। युवा उद्यमियों को इन चुनौतियों के बारे में जागरूक होकर उन्हें दूर करने के लिये समाधान खोजने चाहिये। कार्यशाला में आईआईटी आर के निदेशक डॉ आशु दुबे ने भारत में जल संरक्षण व जल प्रबंधन के महत्व की चर्चा की। उन्होंने कहा कि भारत पानी की कमी वाला देश है। हम सभी के लिये आवश्यक है कि पानी का संरक्षण और जल संसाधनों के सतत प्रबंधन के लिये मिल कर काम करें। डॉ शिल्पा कायस्थ ने उद्योग, कृषि, शहरी परिदृश्य सहित सभी डोमेन में स्मार्ट जल समाधान, जल संरक्षण और जल लेखा परीक्षा से जुड़ी समस्याओं से निपटने के लिये अभिनव समाधानों के साथ आने में स्टार्टअप की भूमिका पर चर्चा की।

डब्ल्यूडब्ल्यूएफ इंडिया के सिद्धांत व राकेश बाजपेयी ने गंगा के लिये जल संरक्षण परियोजनाओं, उत्तर प्रदेश के विभिन्न जिलों के आसपास के गांवों में वर्षा जल संचयन परियोजनाओं और स्थानीय गांवों और किसानों को शामिल कर कार्बन संग्रहण परियोजनाओं में शामिल पहल पर प्रस्तुति दी। आर्टिक ग्रुप के संस्थापक व सीईओ आलोक पाण्डेय ने एसडीजी उद्यमिता की चुनौतियों और अवसरों की चर्चा करते हुए बताया कि किस तरह युवा उद्यमी दुनिया में बदलाव ला सकते हैं। कार्यक्रम में अनिल कुमार त्रिपाठी, भुवन भाटिया सहित बड़ी संख्या में शिक्षक व छात्र-छात्राएं मौजूद थे।

भविष्य के लिए जल प्रबंधन, संरक्षण जरूरी

कानपुर। जल प्रबंधन और उसका संरक्षण हम सब के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण है। आने वाली पीढ़ियों के सुरक्षित भविष्य के लिए हम सभी को इसका महत्व समझना होगा। युवा उद्यमी इन चुनौतियों के बारे में जागरूक हों और उन्हें दूर करने के लिए समाधान विकसित करें। ये बातें सीएसजेएम विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. विनय कुमार पाठक ने शनिवार को एसडीजी उद्यमिता कार्यशाला और जल पदचिह्न प्रबंधन कार्यक्रम के दौरान कहीं। विवि में वर्ल्ड वाइड फंड फॉर नेचर इंडिया और आईटेक ग्रुप के कार्यक्रम में अटारी-आईसीएआर के निदेशक डॉ. शांतनु दुबे ने पानी के संरक्षण और संसाधनों के सतत प्रबंधन के लिए मिलकर काम करने की अपील की। इस मौके पर डॉ. शिल्पा कायस्थ, शिवांग, राजेश बाजपेई, आलोक पांडे और अनिल कुमार मौजूद रहे।

पानी संरक्षण और जल संसाधनों का सतत प्रबंधन करना आवश्यक

उद्योग, कृषि, शहरी परिदृश्य सहित सभी डोमेन में स्टार्ट अप शुरू करें विद्यार्थी

छात्र को सम्मानित करते कुलपति व अन्य।

कानपुर, 3 जून। सीएसजेएम विश्वविद्यालय में आज एक एसडीजी उद्यमिता कार्यशाला और जल पदचिह्न सहयोगी कार्यक्रम आयोजन हुआ। इस कार्यक्रम का आयोजन संयुक्त रूप से वर्ल्ड वाइड फंड फॉर नेचर इंडिया और हूक्कद्गस्द्ध तद्धभ्रह्लश्च एवं सीएसजेएमयू और ष्टस्नुरू इनोवेशन फाउंडेशन के समन्वय से किया गया। यूआईईटी के लेक्चर हॉल में हुए इस कार्यक्रम का उद्घाटन करते हुए विवि के कुलपति प्रो. विनय कुमार पाठक ने एसडीजी उद्यमिता और जल पदचिन्ह प्रबंधन के महत्व पर बल दिया। उन्होंने कहा कि ये दो सबसे महत्वपूर्ण चुनौतियां हैं जिनका आज दुनिया सामना कर रही है । युवा उद्यमियों के लिए यह महत्वपूर्ण है कि वे इन चुनौतियों के बारे में जागरूक हों और उन्हें दूर करने के लिए समाधान विकसित करें। अटारी-आईसीएआर के निदेशक डॉ शांतनु दुबे ने भारत में जल संरक्षण और जल प्रबंधन के महत्व के बारे में बात की। उन्होंने कहा कि भारत पानी की कमी वाला देश है। हम सभी के लिए यह महत्वपूर्ण है कि वे पानी के संरक्षण और जल संसाधनों के सतत प्रबंधन के लिए मिलकर काम करें। डीन (इनोवेशन) डॉ शिल्पा कायस्थ ने उद्योग, कृषि, शहरी परिदृश्य सहित सभी डोमेन में स्मार्ट जल समाधान, जल संरक्षण और जल लेखा परीक्षा से जुड़ी समस्याओं से निपटने के लिए अभिनव समाधानों के साथ आने में स्टार्ट अप की भूमिका पर चर्चा की।डब्ल्यूडब्ल्यूएफ इंडिया के शिवांग और राजेश वाजपेयी ने रामगंगा के लिए जल संरक्षण परियोजनाओं, उत्तर प्रदेश के विभिन्न जिलों के आसपास के गांवों में वर्षा जल संचयन परियोजनाओं और स्थानीय गांवों और किसानों को शामिल करके कछुआ संरक्षण परियोजनाओं में शामिल पहल पर प्रस्तुतियां दीं।इस कार्यक्रम में आइटिक ग्रुप के संस्थापक और सीईओ आलोक पांडे और इनोवेशन ऑफिसर अनिल कुमार त्रिपाठी द्वारा एसडीजी उद्यमिता विषय पर चर्चा भी की गई। श्री आलोक पांडे ने एसडीजी उद्यमिता की चुनौतियों और अवसरों पर चर्चा की, और युवा उद्यमी दुनिया में कैसे बदलाव ला सकते हैं, इस पर अपनी अंतर्दृष्टि साझा की।सीएसजेएम इनोवेशन फाउंडेशन स्टार्ट अप इनक्यूबेटी फ्लोटा भुवन भाटिया ने अपनी अभिनव जल प्रबंधन प्रणाली के बारे में चर्चा की जो सीएसजेएम विश्वविद्यालय परिसर में लाखों लीटर मीठे पानी का संचयन कर रहा है। कार्यक्रम में पूरे क्षेत्र के 100 से अधिक छात्रों, शिक्षकों और उद्यमियों ने भाग लिया।

जल प्रबंधन और संरक्षण जरूरी

कानपुर। जल प्रबंधन और उसका संरक्षण हम सब के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण है। आने वाली पीढ़ियों के सुरक्षित भविष्य के लिए हम सभी को इसका महत्व समझना होगा। युवा उद्यमी इन चुनौतियों के बारे में जागरूक हों और उन्हें दूर करने के लिए समाधान विकसित करें। ये बातें सीएसजेएम विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. विनय कुमार पाठक ने शनिवार को एसडीजी उद्यमिता कार्यशाला और जल पदचिह्न प्रबंधन कार्यक्रम के दौरान कहीं। डॉ. शांतनु दुबे ने विचार रखे।इस मौके पर डॉ. शिल्पा कायस्थ, शिवांग, राजेश बाजपेई, आलोक पांडे और अनिल कुमार त्रिपाठी मौजूद रहे। (संवाद)